

---

Svagatam Payoda Te

स्वागतं पयोद ते

Document Information

---

Text title : Svagatam Payoda Te Welcome Rain

File name : svAgataMpayodate.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc\_z\_misc\_general

Transliterated by : manish gavkar manishyg at gmail.com

Proofread by : manish gavkar manishyg at gmail.com, NA

Latest update : April 4, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

April 4, 2020

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Svagatam Payoda Te

---

### स्वागतं पयोद ते

---



गर्जनेन वर्षणेन ते धरा प्रमोदते ।  
स्वागतं पयोद ते स्वागतं पयोद ते ॥ १ ॥

डे सुकालवारिमुक्त्वया धरा सुतर्पिता ।  
डे पयोद यातकास्त्वया भृशं सुहर्षिता ।  
डेकिनां गणस्त्वया मुदा वनेषु नर्तते ॥ १ ॥

वीतवर्षशोषकृत्यदाधुना त्वमागतः ।  
भूमनः तथापराशिरत्यतं कृतं गतः ।  
मानसे मुदो न मान्ति दर्शनाजनस्य ते ॥ २ ॥

नूतनाः सुपादपाः प्रमोदिता सुवल्लरी ।  
उच्छलत्सुविल्रमा तरङ्गितास्ति निर्जरी ।  
पक्षिणश्च नीडनिर्मितं द्रुतं प्रकुर्वते ॥ ३ ॥


क्षेत्रकर्षणेन बीजवापकर्मणा धृतम् ।  
कार्षकैः सभार्यकैः स्वधर्मपालनं कृतम् ।  
श्रावणेऽथ भाद्रकेऽपि ते दयां भजन्तु ते ॥ ४ ॥

दोलया मनोविनोदमाचरन्ति बालिकाः ।  
तीप्रग्राभिणो गृहं प्रयन्ति पश्य पान्थकाः ।  
उत्कथा अलाकया मनोरथः स्वपूर्यते ॥ ५ ॥


मोदमेतु मेदिनी प्रमोदमेतु मानवः ।  
नो कदापि बान्धतां भुवं कुशोषदानवः ।  
अन्नमस्तु दृग्धमस्तु विद्युदस्तु केन ते ॥ ६ ॥

Encoded from audio and proofread by manish gavkar manishyg at gmail.com

---

——  
*Svagatam Payoda Te*

pdf was typeset on April 4, 2020

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

